

कार्यक्रम का नाम – क्रियात्मक शोध प्राथमिक स्तर/ उच्च प्राथमिक

विभाग का नाम – डी0आर0यू0 विभाग

समन्वयकों के नाम
1. जी0 एस0 गैड़ा
2. डा0 सरिता पाण्डे

उद्देश्य – तात्कालिक समस्याओं का समाधान व शैक्षिक गुणवत्ता में वृद्धि करना है।

औचित्य– एन0 ए0 एस0, मासिक परीक्षा, गृह परीक्षा पर आधारित न्यून संप्राप्ति स्तर वाले संबोधों पर शिक्षकों से क्रियात्मक शोध करवाना ताकि छात्रों के सम्प्राप्ति स्तर में सुधार हो सके।

लक्ष्य समूह – प्रारम्भिक – 90
उपलब्धि – 83

कार्यशाला का क्रियान्वयन–

कार्यशाला के प्रथम चरण में 83 शिक्षकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। दि0 02 अगस्त, 2023 से 04 अगस्त, 2023 तक तीन दिवसीय कार्यशाला में क्रियात्मक शोध से संबंधित सैद्धान्तिक पक्षों पर विस्तृत चर्चा की गयी तथा न्यून सम्प्राप्ति स्तर वाले विभिन्न विषयों के संबोधों का चिहनीकरण किया गया। समूह में गतिविधि आधारित क्रियात्मक शोध हेतु कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण किया गया। प्रत्येक प्रतिभागी को निर्देशित किया गया कि–



1. विद्यालय में वास्तविक स्थिति का जायजा लेकर एक समस्या का चयन कर उस पर क्रियात्मक शोध प्रारम्भ कर Whatsapp group में सम्बन्धित सूचना शेयर करने हेतु निर्देशित किया गया।
2. शिक्षकों को क्रियात्मक शोध हेतु अधिकतम 2 माह का समय दिया गया। शिक्षकों द्वारा ग्रुप के माध्यम से विचार-विमर्श साझा किया जाता रहा।
3. दो माह के उपरान्त द्वितीय फेरे हेतु शिक्षकों को 03 व 04 अक्टूबर, 2023 को डायट में अपने-अपने शोधों के साथ प्रस्तुतीकरण हेतु आमंत्रित किया गया।
4. इस कार्यशाला में 74 प्रतिभागियों द्वारा अपने शोधों को जमा/प्रस्तुतीकरण किया गया।

5. प्रस्तुतीकरण में आवश्यक पश्चपोषण हेतु सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा के शिक्षा संकाय की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर भीमा मनराल तथा सहायक प्रोफेसर डा० संगीता पवार द्वारा आवश्यक पश्चपोषण दिया गया। पश्चपोषण के उपरान्त शिक्षकों के द्वारा आवश्यक संशोधन कर डायट में अपने क्रियात्मक शोध जमा किये गये। चयनित शोधों को संकलित कर पुस्तिका के रूप अन्य शिक्षकों को भी गुणवत्ता सुधार व तात्कालिक समस्याओं के समाधान हेतु उपलब्ध करायी गयी।


अपेक्षित परिणाम –

क्रियात्मक शोध के माध्यम से शिक्षक तात्कालिक समस्याओं का समाधान अपने स्तर से कर पाने में सक्षम हुए। शिक्षण अधिगम प्रक्रिया की प्रभावशीलता में वृद्धि हुई।

समन्वयक के नाम व हस्ताक्षर –

1. जी० एस० गैड़ा 
2. डा० सरिता पाण्डे 

दिनांक 05 अगस्त, 2024


प्राचार्य 05/08/2024

डायट अल्मोड़ा